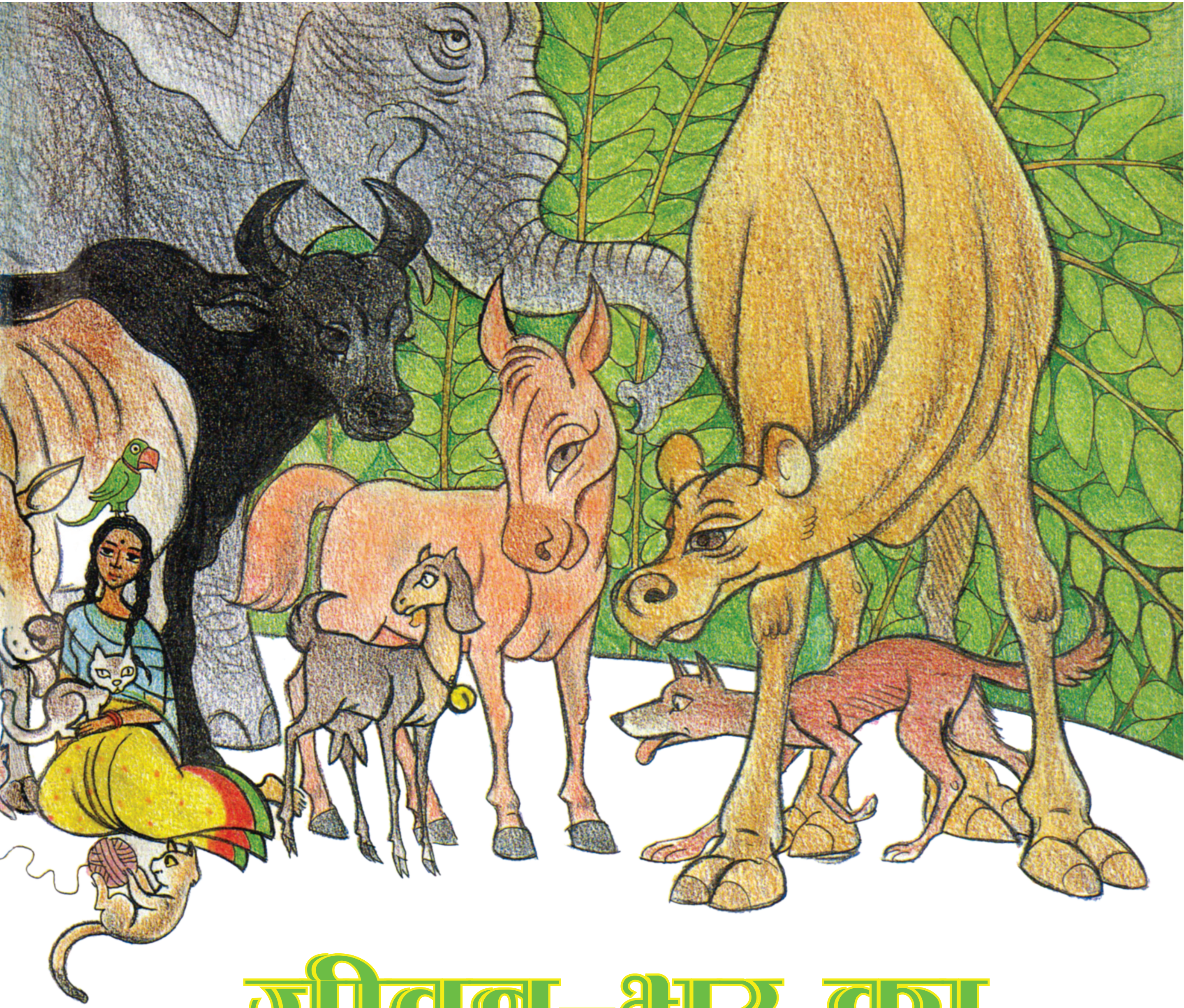

जीवन-भर का साथी

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः शुद्धसत्व बासु

यह किताब

....

की है।

dFkk d fo"k; e

कथा एक लाभ निरपेक्ष संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में हुई। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कथा का अनूठा योगदान है। कथा झुग्गी-झोपड़ी, बस्तियों और सरकारी स्कूलों में काम करती है ताकि हर बच्चा मज़े के लिए और अच्छी तरह पढ़ सके। महिलाओं और अध्यापिकाओं के द्वारा कथा बच्चों में उनकी प्रतिभा को उजागर करने में मदद करती है।

हमारी किताबें, वर्कशॉप और शिक्षण केन्द्र, कहानी के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ती हैं। कथा का अनुवाद के क्षेत्र में किया हुआ काम भारतीय प्रकाषन के इतिहास में अनूठा माना जाता है। इसे *इकोनोमिक टाइम्स* ने इन शब्दों में सराहा है, "A unique and special moment in Indian publishing history ..."

कथा की पुस्तकों को विश्व स्तर पर ख्याति मिली है। अंतर्राष्ट्रीय ज्युरी द्वारा प्रतिष्ठित एस्ट्रिड लिंडग्रिन पुरस्कार के लिए भी कथा का नामाँकन किया गया है। बाल साहित्य के क्षेत्र में यह पुरस्कार विश्व में सबसे बड़ा माना जाता है।

कथा नवीन एवं अनुभवी लेखकों, अनुवादकों और चित्रकारों के साथ काम करती है।

क्या आपको बच्चों के लिए लिखना, चित्र बनाना, अनुवाद करना अच्छा लगता है? तो अपनी प्रतिलिपि इस ईमेल आई डी पर भेजें: editors@katha.org, और बनें कथा परिवार का हिस्सा।

"[Katha] ... an educational jewel in India's crown."
— **Naoyuki Shinohara, Deputy Managing Director, International Monetary Fund**

"Katha stands as an exemplar for all the creative projects around the world that grapple with ordinary and dramatic misery in cities." — **Charles Landry, The Art of City Making**

"Katha has a real soft corner for kids. Which is why it … create[s] such gorgeous picture books for children."
— **Time Out**

"Katha's work is driven by the idea that children can bring change to their communities that is sustainable and real, just as the children do in [their books]." — **Papertigers**

Copyright © KATHA

जीवन-भर का साथी

गीता धर्मराजन

चित्रांकन: शुद्धसत्व बासु

KATHA

Copyright © KATHA

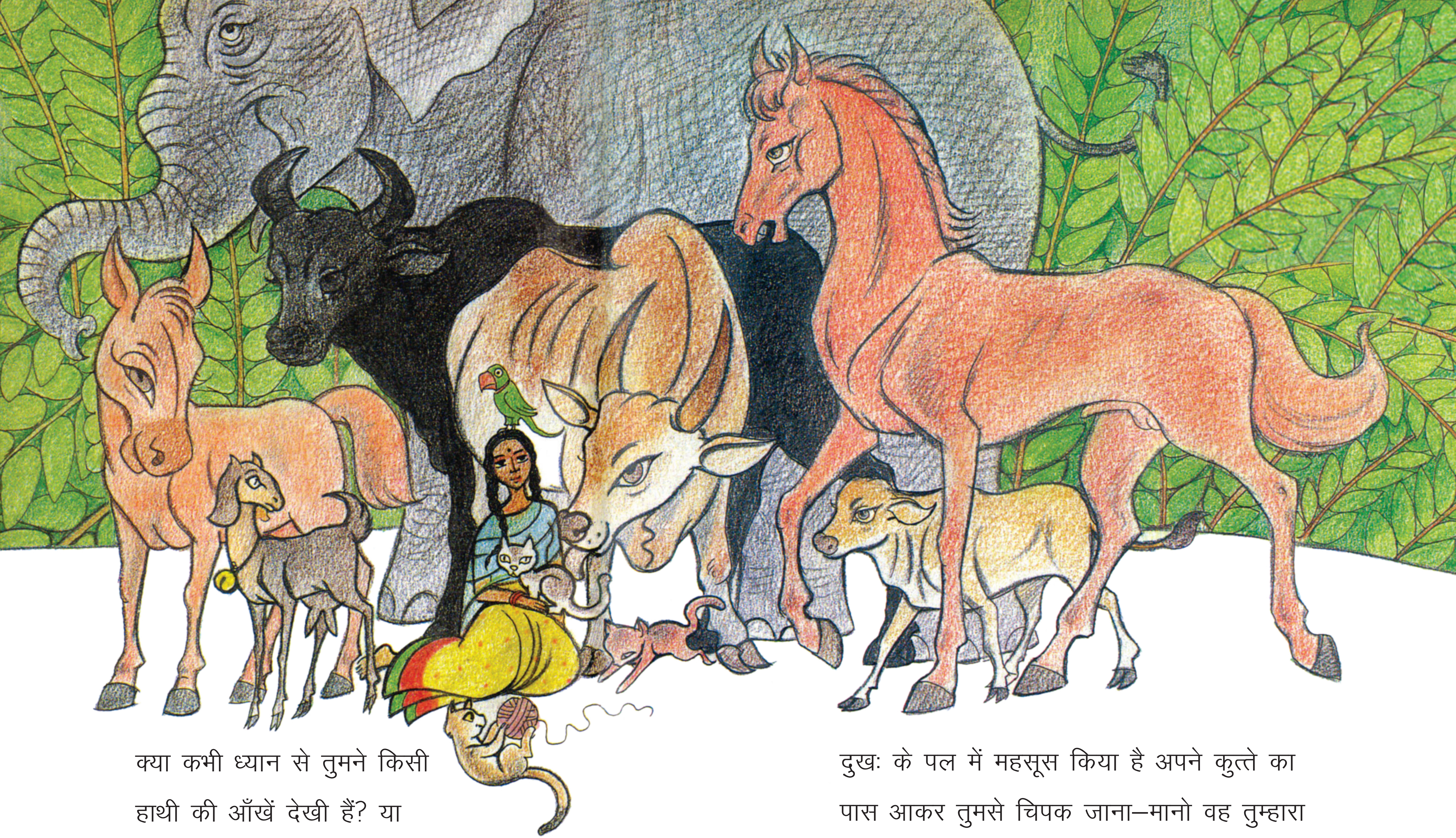

क्या कभी ध्यान से तुमने किसी
हाथी की आँखें देखी हैं? या

दुखः के पल में महसूस किया है अपने कुत्ते का
पास आकर तुमसे चिपक जाना–मानो वह तुम्हारा

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

दुखः बाँटना चाहता हो !
कुत्ता, हाथी, ऊँट और
भैंस कुछ ऐसे जानवर हैं
जिनसे मनुष्य ने सदियों
पहले दोस्ती की थी।

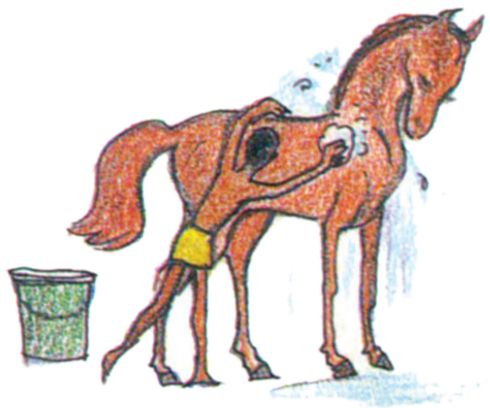

और उन से प्यार भी
खूब किया था।
जानवर हमारे कई
काम आते हैं।

Copyright © KATHA

हज़ारों साल से ये जानवर मनुष्य के लिए
काम करते आ रहे हैं। हमारे देश में 70
करोड़ कामगार पशु हैं।

हमारे गाँव और
शहरों में वे हमारा
आधे से भी ज़्यादा
काम करते हैं।

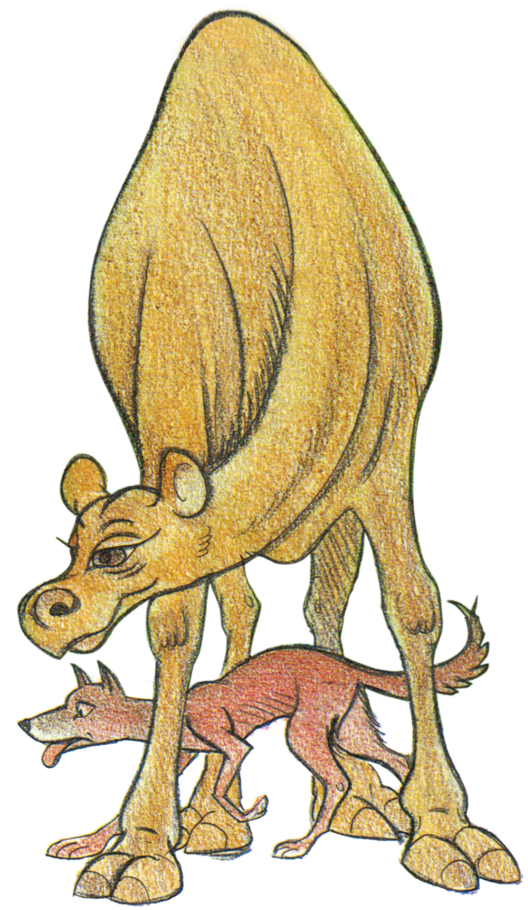

Copyright © KATHA

पर फिर भी, ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो इन पशुओं को मारते हैं। क्या वे नहीं जानते कि बेचारे पशुओं को भी दर्द होता है?

Copyright © KATHA

अगर तुम ऐसे लोगों को जानवरों से प्यार करने के लिए कहोगे तो शायद वे तुम्हारी हँसी उड़ायेंगे।

माना अभी तुम बहुत छोटे हो, मगर फिर भी तुम ऐसे लोगों की आँखें खोल सकते हो!

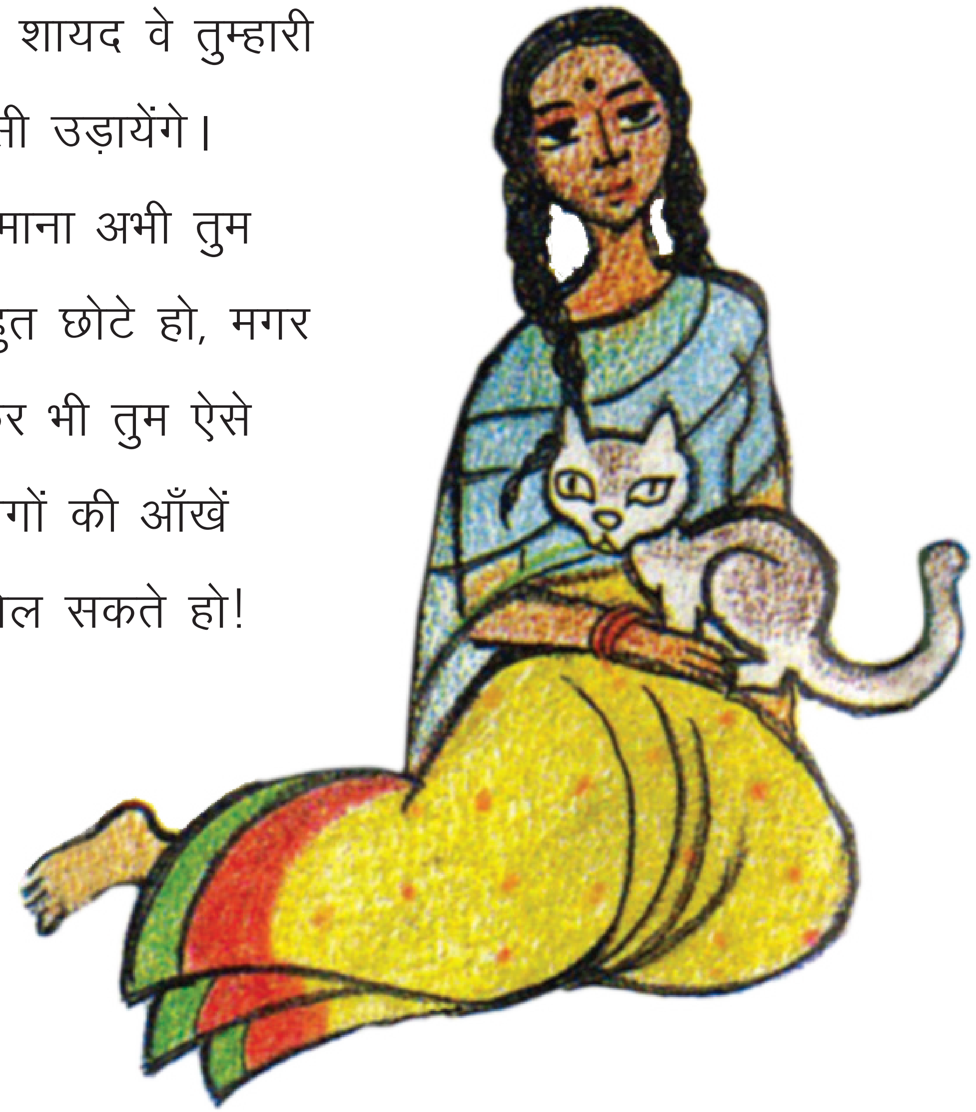

Copyright © KATHA

तुम स्वयं एक
जानवर को
अपनाओ, उससे
प्यार करो और
देखो कैसे लोगों
का पत्थर दिल
पिघलता है

Copyright © KATHA

और तुम्हें खुद को भी कुछ खास घटता हुआ लगेगा। जानवरों के साथ खूब मज़ा आयेगा।

Copyright © KATHA

शायद यही कारण है कि भारतवर्ष में रहने
वाले, हमारे पूर्वज हमेशा से इन जानवरों
की पूजा करते आये हैं।

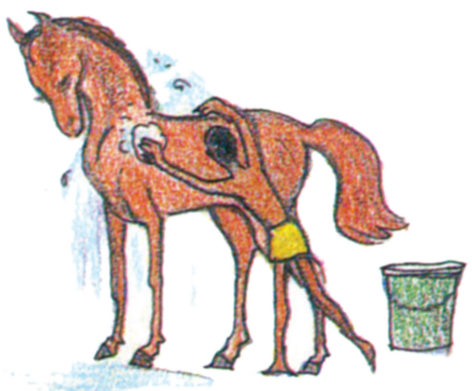

Copyright © KATHA

vius vki dks ,d HkasV nks% vkt
gh ,d tkuoj dks viukvks!

Copyright © KATHA

xhrk /kejktu बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करती हैं। वह *टारगेट* पत्रिका और *पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय* की पत्रिका *पेन्सिलवेनिया गज़ेट* की संपादक भी रह चुकी हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किए गए इनके अद्वितीय योगदान के लिए इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

'k) lRo ckl जाने–माने चित्रकार हैं और एनीमेशन फिल्मस बनाते हैं। कथा द्वारा प्रकाशित *एक स्केयरक्रो का गीत* पुस्तक के लिए इन्हे चित्रकथा पुरस्कार से सन् 2002 में सम्मानित किया गया साथ ही ब्राटिसलावा सन् 2003 के चित्रांकन प्रतियोगिता में इनका विशेष उल्लेख किया गया था।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

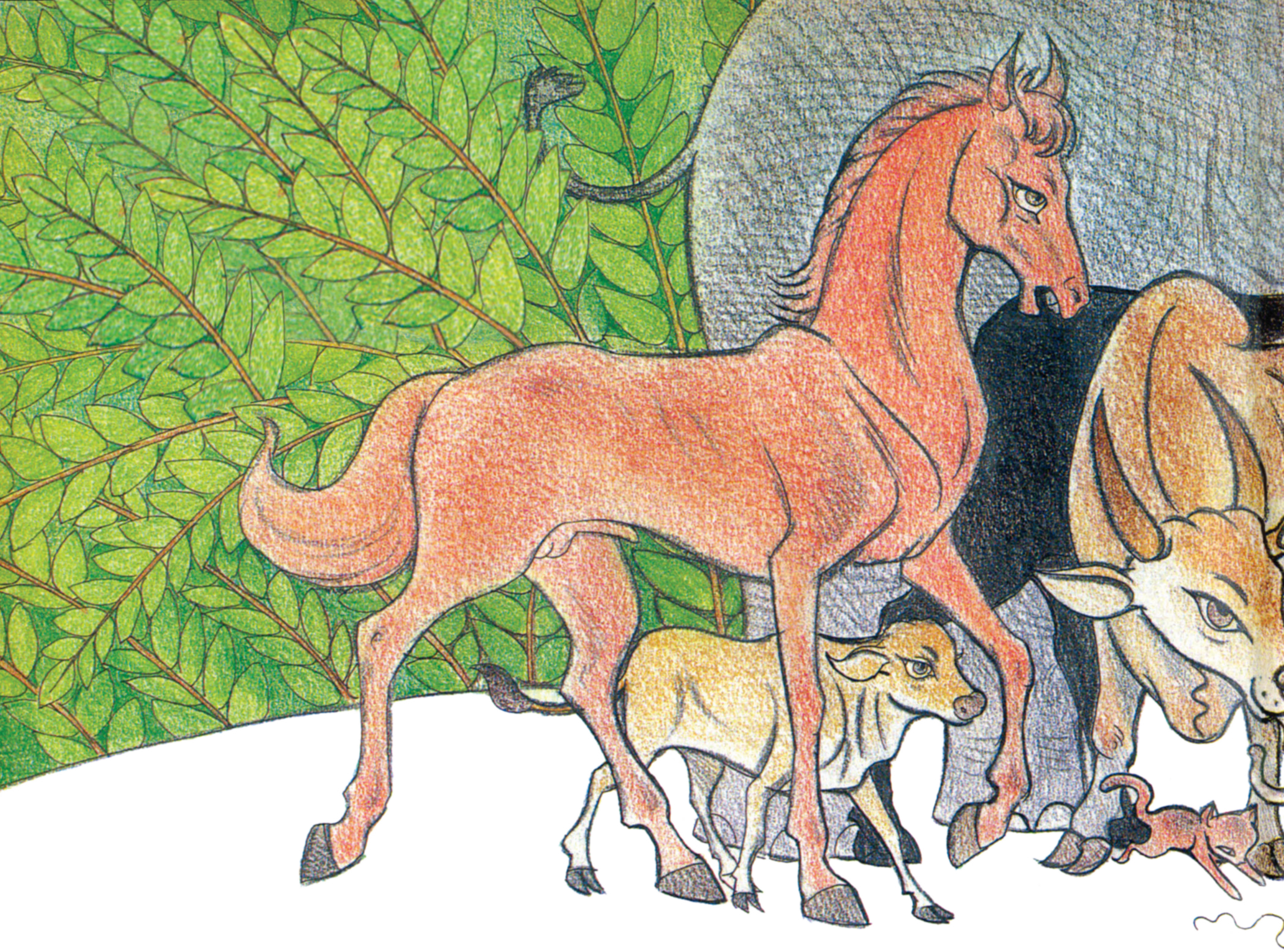

क्या आप जानते हैं कि मनुष्यों से भी ज़्यादा जानवर श्रद्धालु और अनुकूल भाव के होते हैं। कुछ जानवर तो एसे होते हैं जो एक बार आपसे दोस्ती कर लें तो आपके ही बनके रहते हैं। आपके साथ हँसते-खेलते हैं और आपके हर सुख-दुख में शामिल होते हैं। अपना पूरा जीवन आपको समर्पित कर देते हैं। आइए जानते हैं इस कहानी के द्वारा जानवरों की अच्छाईयों और भावों के बारे में।

Copyright © KATHA